web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 28 मई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 240

महत्वपूर्ण एवं खास

ट्रक ने दो लोगों को कुचला, मौके पर मौत, लोगों का फूटा गुस्सा

खंडवा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में सडक़ हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन प्रदेश के अलग-अलग जिलों से एक्सीडेंट की घटनाएं सामने आ रही है। जहां लोगों को अपनी जान-माल का का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ताजा मामला खंडवा जिले से सामने आया है। जहां ट्रक ने दो लोगों को बुरी तरह से कुचल दिया इस हादसे में दोनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मूंदी थाना क्षेत्र की है। दर्दनाक हादसे के बाद लोगों में काफी आक्रोश है। घटना के बाद सडक़ के दोनों ओर काफी भीड़ इक्कठा हो गई। दरअसल खण्डवा जिले के मांधाता क्षेत्र में लगातार संत श्री सिंगाजी विद्युत ताप परियोजना से राखड़ का परिवहन बड़े वाहनों से किया जा रहा है। अंधाधुन गति से चलते हुए ये वाहन लोगों के लिए मौत का कारण बनते जा रहे हैं। आज फिर एक तेज रफ्तार राखड़ से भरे ट्रक ने पुनासा के पास जलवा बुजुर्ग गांव में धारीवाल कंपनी का रखड़ से भरे वाहन ने दो लोगों को कुचल दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मूंदी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को पीएम के लिया भेजा और आगे की जांच शुरू की। आपको बता दें कि यहां हादसों का ये कोई पहला मामला नहीं है, जिसमे लोगों की मौत हुई है। इससे पहले भी इस तरह की सडक़ दुर्घटनाओं में लोगों को अपनी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ा है। बावजूद इसके प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

भारत-पाक सीमा पर हीट स्ट्रोक से जवान शहीद, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

जैसलमेर (आरएनएस)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात बीएसएफ का एक जवान शहीद हो गया। बीएसएफ के जवान की जान जाने की वजह हीट स्ट्रोक बताई जा रही है। मृतक जवान को गार्ड ऑफ ऑनर और पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। बता दें कि इन दिनों बॉर्डर पर तापमान 50 डिग्री के पार हो गया है। शहीद होने वाला जवान 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। जवान का नाम अजय कुमार था, वह पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के सारू गांव का रहने वाला था। भीषण गर्मी की वजह से जवान की तबीयत खराब हुई और बाद में इलाज के दौरान जवान ने दम तोड़ दिया। उसके शव को रामगढ़ अस्पताल लाया गया। जवान के शव का पोस्टमार्टम कराकर बीएसएफ के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को रामगढ़ से जोधपुर ले जाया जाएगा और जोधपुर से हवाई जहाज में उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा। रामगढ़ अस्पताल परिसर में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर जवान को श्रद्धांजलि दी। आपको बताते चलें, देश के कई राज्यों में इन दिनों गर्मी के सितम से लोग परेशान हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में हीट स्ट्रोक चल रही है। पश्चिमी राजस्थान में कई जगह पारा 50 डिग्री सेल्सियस के ऊपर है।

तटीय बंगाल में चक्रवात रेमल पड़ा कमजोर, पर हाई अलर्ट जारी

कोलकाता । आरएनएस

पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में मध्यम प्रभाव डालने के बाद चक्रवात रेमल कमजोर होकर 'चक्रवाती तूफान' में बदल गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को इसके और कमजोर होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

रविवार की रात तूफान के दौरान उत्तरी कोलकाता में एक जर्जर इमारत की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत के अलावा, और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि तूफान के कारण राज्य के तटीय इलाकों में कई पेड़ उखड़ गए और मिट्टी के घर ढह गए। उन्होंने बताया कि एक लाख से अधिक लोगों को तटीय इलाकों से निकाला गया है।

राज्य की राजधानी कोलकाता

में पेड़ उखड़ गए और बिजली के तार टूट गए। लेकिन प्रशासन की तत्परता के कारण बिजली आपूर्ति या इंटरनेट सेवाओं पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। खबर लिख जाने तक कोलकाता की कुछ सडक़ों पर पानी भरा हुआ था।

सोमवार सुबह छिटपुट बारिश हुई, लेकिन हवा की गति सामान्य रही। हालांकि, राज्य के कुछ तटीय इलाकों में हवा की गति काफी तेज थी।

तूफान के कारण सियालदह कोलकाता के दक्षिणी डिवीजन में लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित हुई। यह रविवार रात से लगभग 10 घंटे तक रुकी रही। सोमवार सुबह 9 बजे के बाद से फिर शुरू हुई।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रविवार दोपहर 12.30 बजे से 21 घंटे तक उड़ान सेवाएं बाधित रहीं। अब उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं।

रेल अधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर पटरियों पर पेड़ गिर जाने के कारण सोमवार सुबह दक्षिण डिवीजन में लोकल ट्रेन सेवाएं रोकनी पड़ीं।

चक्रवात रेमल : तेज आंधी से पेड़ और बिजली के खंभें उखड़े, पूर्वोत्तर राज्य हाई अलर्ट पर, अधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश

कोलकाता । आरएनएस

भीषण चक्रवाती तूफान रेमल के आने से पहले विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में आपदा प्रबंधन अधिकारियों और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और जिला प्रशासनों को अग्रिम एहतियाती कदम उठाने के लिए कहा गया है। रेमल चक्रवात के कारण रात भर हुई भारी बारिश और 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने सोमवार को कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के कई अन्य जिलों में छप्पर वाले घरों को नष्ट हो गए, बिजली के खंभे और रेलवे सिग्नल पोस्ट गिर गए।

प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक रेमल के पश्चिम बंगाल और उससे सटे बंगलादेश के तटों के बीच टकराने से घर ढहने या उड़ते हुए मलबे की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। राज्य सरकार पहले ही निचले इलाकों में रहने वाले करीब 1.10 लाख

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार चक्रवात के टकराने की प्रक्रिया रविवार रात लगभग 8.30 बजे शुरू हुई और पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप और मोंगला के पास बंग के खेपुपारा के बीच सोमवार तडक़े समाप्त हुई।

प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता में 146 मिमी बारिश हुई और 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जो 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच गयीं। तेज हवाई के कारण पेड़ उखड़ गए और ओवरहेड बिजली के तार टूट गए। कोलकाता में दीवार गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। दक्षिण कोलकाता के ढाकुरिया, पार्क सर्कस और बालीगंज जैसे इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जबकि टॉलीगंज और कवि नजरूल स्टेशनों पर मेट्रो रेलवे शेड उड़ गए। उपनगरीय सियालदह दक्षिण खंड में एहतियात के तौर पर रेलवे सेवाएं पहले ही निलंबित कर दी गई हैं, जबकि नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (एनएससीबीआई) हवाई अड्डे को भी रविवार को अपराह्न 12 बजे से सोमवार सुबह 09 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है। कुल मिलाकर 340 घरेलू और 54 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं।

उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों से प्राप्त रिपोर्टों में कहा गया है कि तूफान के कारण कई फूस के घर जमींदोज हो गए। बिजली के खंभे भी टूट गए। बंगाल की खाड़ी में विशाल ज्वारीय लहरें देखी गईं।

पुणे पोर्श कांड : फॉरेंसिक विभाग के एचओडी सहित दो डॉक्टर गिरफ्तार, नाबालिग आरोपी का ब्लड सैंपल किया था गायब

पुणे । आरएनएस

पुणे पोर्श कांड में दिन व दिन नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने अब इस मामले में फॉरेंसिक डिपार्टमेंट के एचओडी सहित 2 डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक इन पर नाबालिग आरोपी के ब्लड सैंपल गायब करने का आरोप है। ऐसा करने से ही उसके सैंपल में शराब की पुष्टि नहीं हुई थी।

बता दें कि नाबालिग को सबसे पहले सुबह 11 बजे मेडिकल टेस्ट के लिए ससून हॉस्पिटल ले जाया गया था। इस दौरान उसके ब्लड सैंपल को ऐसे शख्स के ब्लड सैंपल से बदल दिया गया था, जिसने शराब का सेवन नहीं किया हुआ था। पहले ब्लड सैंपल लेने के बाद जांच रिपोर्ट में शराब की पुष्टि नहीं हुई थी। इससे संदेह पैदा हो गया था। इसके बाद दोबारा ब्लड रिपोर्ट आने पर शराब की पुष्टि हुई थी। इससे पता चला था कि 19 मई को सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने नाबालिग को बचाने के लिए ब्लड सैंपल से छेड़छाड़ की थी।

बता दें घटना 19 मई की है। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में रियल एस्टेट डेवलपर विशाल अग्रवाल के 17 साल के बेटे ने अपनी स्पोर्ट्स कार पोर्श से बाइक सवार दो इंजीनियरों को रौंद दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। इस घटना के 14 घंटे बाद आरोपी नाबालिग को कोर्ट से कुछ शर्तों के साथ जमानत मिल गई थी। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शराब के नशे में था और बेहद तेज गति से कार को चला रहा था। नाबालिग इस समय सुधार गृह में है।

हाल ही में इस घटना से जुड़े दो पुलिसवालों पर लापरवाही बरतने के लिए गाज गिरी थी। ये दोनों अफसर वारदात के बाद सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे थे। लेकिन दोनों ने ही घटना के बारे में अपने सीनियर्स और कंट्रोल रूम को जानकारी नहीं दी थी। येरवडा पुलिस स्टेशन के इन दोनों पुलिस अफसरों को पुणे आयुक्त ने निलंबित कर दिया था। इनके नाम पुलिस निरीक्षक राहुल जगदाले और एपीआई विश्वनाथ टोडकरी है।

गेमिंग जोन हादसे में बड़ा एक्शन 6 अधिकारियों को किया सस्पेंड, 28 लोगों की गई थी जान

राजकोट । आरएनएस

गुजरात के राजकोट में गेमिंग जोन में आग लगने से अब तक 28 लोगों की मौत हो गई हैं, जिसमें 12 बच्चे हैं। इस मामले में प्रशासन ने छह अधिकारियों को सस्पेंड किया है। राजकोट नगर निगम के दो अधिकारी असिस्टेंट इंजीनियर जयदीप चौधरी और टाउन प्लानर गौतम जोशी को सस्पेंड किया गया है। इसके साथ ही सडक़ एवं निर्माण विभाग के दो अधिकारी एडिशनल इंजीनियर पारस कोठिया और डिप्टी इंजीनियर एम आर सुमा को भी सस्पेंड किया गया है। वहीं, पुलिस विभाग के दो अधिकारी पुलिस इंस्पेक्टर एन आर राठौड़ और पुलिस इंस्पेक्टर वी आर पटेल पर भी गाज गिरी है। बता दें इस बीच गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गंभीर घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात रहे कि राजकोट के टीआरपी गेम जोन में शनिवार को भीषण आग लग गई थी। कहा जा रहा है कि जनरेटर के लिए 1500 से 2000 लीटर डीजल, गो कार रेसिंग के लिए 1000 से 1500 लीटर पेट्रोल जमा था। जिसकी वजह से आग इतनी फैली कि पूरा स्ट्रक्चर जलकर खाक हो गया। गेम जोन से बाहर निकलने और प्रवेश के लिए 6 से 7 फीट का एक ही रास्ता था। गेम जोन में एंट्री के लिए 99 रुपये की स्कीम थी, जिसकी वजह से बड़ी संख्या में लोग हादसे के वक्त गेम जोन में मौजूद थे। इस मामले में राज्य सरकार ने पांच सदस्यीय गठित की थी।

इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था। हाईकोर्ट की स्पेशल ब्रांच की बेंच ने सुनवाई करते हुए इसे मानव निर्मित आपदा बताया था। कोर्ट ने कहा था कि गेमिंग जोन के निर्माण और संचालन के लिए नियमित और उचित नियमों का पालन नहीं किया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि अहमदाबाद में सिंधुभवन रोड, सरदार पटेल रिंग रोड और एसजी हाईवे पर गेमिंग जोन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। हाईकोर्ट ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट नगर निगम से स्पष्टीकरण मांगा था।

कोर्ट ने कहा था कि निगम को ये बताना होगा कि कानून के किस प्रावधान के तहत इस गेमिंग जोन को संचालित करने की अनुमति दी गई थी। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि निगम ये जानकारी एक दिन में मुहैया कराए। इसके साथ ही कोर्ट ने अग्नि सुरक्षा नियमों के अनुपालन के संबंध में भी स्पष्टीकरण मांगा।

गुना में मिनी ट्रक पुलिया से गिरा, 4 की मौत

गुना । आरएनएस

मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरा। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं चार लोग घायल हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह म्याना पुलिस थाना क्षेत्र में कानपुर से कर्नाटक की ओर जा रहा एक मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए पुलिया से नीचे जा गिरा।

हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया गया।

इस हादसे में ट्रक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं इस हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं।

बताया गया है कि इस ट्रक में मजदूर भी सवार थे और हादसे में विष्णु, मीर, विकास और रणवीर सिंह की मौत हुई है। वहीं ट्रक के चालक और क्लीनर सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल मे इलाज जारी है।

मजदूर उत्तर प्रदेश के कानपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। म्याना थाने के प्रभारी संजीव मावई के मुताबिक, जिस ट्रक का हादसा हुआ है, उसमें 6 मजदूरों के अलावा चालक और क्लीनर भी थे। इनमें से चार की मौत हुई है।

बताया गया है कि इस ट्रक से मजदूर काम के सिलसिले में कानपुर से कर्नाटक जा रहे थे। इस ट्रक में मजदूरों का सारा सामान और मोटरसाइकिल भी रखी हुई थी। हादसे के शिकार हुए मजदूरों के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है।

आशंका इस बात की जताई जा रही है कि सुबह का समय था और चालक को नींद आ गई होगी। उसी के चलते ट्रक अनियंत्रित हुआ और पुलिया की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा।

इस हादसे में ट्रक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और सामान के नीचे लोग दब गए। इन सभी को मौके पर पहुंचे राहत और बचाव दल ने बाहर निकाला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिसार में बड़ा हादसा : एसयूवी और ट्रक के बीच टक्कर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

हिसार । आरएनएस

हिसार-दिल्ली नेशनल हाईवे पर हिसार सेक्टर 27-28 मोड़ के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ है। सोमवार दोपहर एक एसयूवी और ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई है और चार लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।

ट्रक से टकराने के बाद कार सडक़ किनारे गड्ढे में चली गई। कार में सवार परिवार के लोग हांसी में रिश्ता तय करने आए थे और वापस जाने के दौरान यह हादसा हुआ। सभी घायलों को हिसार के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक से टकराने के बाद कार 20 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरी।

जानकारी के अनुसार पंजाब के बठिंडा के पास मोड मंडी के रहने वाले बग्गा सिंह अपनी बेटी के लिए लडक़ा देखने हांसी के ढाणा कलां गांव आए थे। सभी लडक़ा देखने के बाद वापस सिरसा की तरफ जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ। सिरसा निवासी सोनू ने कहा कि यह हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मांग की है कि ट्रक चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

सदर थाना जांच अधिकारी सुभाष चंद्र के अनुसार सडक़ दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हुई है। ट्रक और कार के बीच चक्कर के चलते हादसा हुआ है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। ट्रक चालक मौके से फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

उल्टी, दस्त, बुखार से श्रद्धालु समेत दो वृद्धों की मौत

चित्रकूट । आरएनएस

हनुमानधारा में दर्शन करने पहुंचे एक श्रद्धालु की अचानक तबियत खराब हो गई। उल्टी व दस्त के दौरान वह बेहोश हो गया। सहयोगी जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा उल्टी, दस्त से पीड़ित दो अन्य की मौत हो गई।

अलीगढ़ निवासी कैलाश कुमार ने बताया कि टूरिस्ट बस में लगभग 60 लोग चित्रकूट दर्शन करने आये थे। रविवार की शाम को हनुमानधारा मंदिर में सभी दर्शन कर रहे थे। इसी बीच उनके साथी दर्शन सिंह (45) सीता रसोई की ओर बढ़े और टॉयलेट जाने की बात कही। बताया कि शायद उन्हें गर्मी के चलते चक्कर आ रहा था। उल्टी के बाद वह वहीं गिरकर बेहोश हो गये। वहां मौजूद कुछ अन्य लोगों ने उनके मोबाइल से फोन कर बताया तो नीचे मौजूद अन्य साथी उनके पास पहुंचे। उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य श्रद्धालुओं ने बिना पोस्टमार्टम कराये शव निजी वाहन से अलीगढ़ ले गए। इसके अलावा सीतापुर के परिक्रमा मार्ग पर दस साल से रहने वाले पृथ्वीपुर बिसैरा पहाड़ टीकमगढ़ निवासी महेंद्र सिंह (60) की रविवार की शाम को अचानक हालत खराब हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि महेंद्र यहां पर भिक्षाटन कर जीवन यापन करता था। कई दिन से उसकी तबियत खराब थी। दो दिन से उल्टी दस्त से पीड़ित था। रविवार की शाम को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची ने सोमवार को शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। परिजन उसके शव को अपने साथ गांव ले गए। इसी क्रम में रेहुंटिया निवासी देशराज (70) की बुखार व उल्टी दस्त होने से तबियत बिगड़ी। उनके पुत्र कामता प्रसाद ने बताया कि दो दिन से प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार को ज्यादा तबियत खराब होने पर जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीजेपी को सुप्रीम कोर्ट का झटका, हाईकोर्ट के आदेश पर रोक संबंधी याचिका की खारिज

नई दिल्ली । आरएनएस

उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा के चल रहे चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आदर्श आचार संहिता की 'अनदेखी' कर तृणमूल कांग्रेस को निशाना बनाने वाले 'अपमानजनक विज्ञापन' पर कलकत्ता उच्च न्यायालय के रोक लगाने के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

उच्च न्यायालय ने भाजपा को निर्देश दिया था कि वह तृणमूल कांग्रेस को निशाना बनाने वाले किसी भी तरह के अपमानजनक विज्ञापन प्रकाशित नहीं करे। भाजपा ने उच्च न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने भाजपा की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए उसकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया से कहा कि मामले को लटकाने से बचें, क्योंकि विज्ञापन मतदाताओं के हित में नहीं है। पीठ ने यह भी कहा कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी (टीएमसी) आपकी दुश्मन नहीं है। पीठ ने कहा, हमने विज्ञापन देखे हैं। प्रथम दृष्टया वो विज्ञापन अपमानजनक हैं। हम और कटुता को बढ़ावा नहीं देना चाहते।

शीर्ष अदालत के इस रुख के बाद श्री पटवालिया (भाजपा) ने याचिका वापस लेने का फैसला किया और कहा कि वह अंतरिम आदेश पारित करने वाली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष जवाब दाखिल करना पसंद करेंगे।

न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य की एकल पीठ ने 20 मई को भाजपा को अगले आदेश तक उस विज्ञापन को प्रकाशित करने से रोक दिया था, क्योंकि माना गया था कि वो विज्ञापन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं।

उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी को निशाना बनाने वाले भाजपा के विज्ञापनों के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस द्वारा दायर शिकायतों का समाधान करने में पूरी तरह विफल होने पर चुनाव आयोग की खिंचाई की थी।

तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को ऐसे विज्ञापन प्रकाशित करने से रोकने के लिए उच्च न्यायालय में एक दायर याचिका की थी। याचिका में ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ कुछ समाचार पत्रों में भाजपा द्वारा प्रकाशित कुछ विज्ञापनों पर आपत्ति जताई गई थी।

भाजपा ने एकल पीठ के इस आदेश को उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ में चुनौती दी, जिसने 22 मई को भाजपा की अपील पर विचार करने से भी इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने भाजपा को कोई राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उसे (भाजपा) लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं करना चाहिए।उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने यह भी कहा था कि यह जरूरी है कि सभी राजनीतिक दल स्वस्थ चुनावी प्रथाओं का पालन करें, क्योंकि भ्रामक चुनावी अभियानों का अंतिम शिकार मतदाता ही होता है। न्यायालय ने राजनीतिक दलों को लक्ष्मण रेखा का पालन करने की मर्यादा याद दिलाते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई व्यक्तिगत हमला नहीं किया जाना चाहिए।